

成语故事



张玉东

对牛弹琴
癸未年春日 楚康画于津



天津古籍出版社



成語故事

A red square seal impression located below the title "成語故事".

图书在版编目(CIP)数据

成语故事 / 张玉东编著. —天津: 天津古籍出版社,
2003.7

ISBN 7 - 80504 - 992 - 0

I . 成... II . 张... III . 汉语—成语—故事
IV . H136.3

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2003)第 040237 号

成语故事

编 著/张玉东

出版人/刘文君

*

天津古籍出版社出版、发行
(天津市张自忠路 189 号 邮编 300020)

唐山丰电印务有限公司印刷

开本 880 × 1230 毫米 1/32 印张 21.75 字数 584640

2003 年 6 月第 1 版 2003 年 6 月第 1 次印刷
印数 1—5000

ISBN 7 - 80504 - 992 - 0
定价: 28.50 元

前　　言

汉语的历史悠久，成语非常丰富。在日常的语言表达中恰当地运用成语可以使语言精炼，使语言形象生动，还可以丰富和充实口语词汇。可以说，成语对于我们现代的日常生活和工作交际有着非常重要的意义。但是，由于语言在流传过程中不可避免地会失去它最初的本义，甚至与原意完全相反，这些都是不足为奇的。因此，要正确、熟练地掌握成语的使用并不是一件很容易的事情。

但是，作为一个专业化程度越来越高的现代人，生活的节奏如此之快，没有时间，也没有必要去在浩如烟海的古籍中去寻觅一个成语的本义和正确用法。而多年来放置在人们案头的成语词典又常常语焉不详，不能让读者完整地理解成语，深刻领会并运用之。因此，编写一本有关成语的书，满足一般读者的上述要求就是一件迫在眉睫的事。

每一个成语在其产生之初都伴随着一个故事，而通过讲述故事来理解成语则是一条好的路子。

成语故事的重点是讲述故事，让读者通过故事理解成语，所以，它跟一般的成语词典的编写路数不尽相同。本书以讲述故事为核心，同时，追溯成语的源头，寻觅每条成语的原始出处。本书中大多数的成语故事都是原始出处所讲的故事。为了照顾更多的读者阅读，本书力求将故事讲得生动有趣，化艰涩的文言原文为通俗的口语；为了便于读者的理解，对成语故事涉及的人物、背景等大都作了一些必要的交代。因此，本书更加适合中等文化程度以下的读者群。

本书对于成语的界定较为宽泛，有些谚语和熟语也包含在内。在体

例上力求简单实用，每个条目均给出出处，以便研究查对。对于比较难以理解或者意思发生改变的成语都给出了简单的释义。条目排序按拼音字母顺序排列。

由于时间紧迫，错误在所难免，请读者批评指正。

编写者

2003年4月

目 录

汉语拼音排序·A

| | |
|------|-------|
| 哀梨蒸食 | (1) |
| 爱屋及乌 | (1) |
| 安步当车 | (2) |
| 安如泰山 | (3) |
| 暗度陈仓 | (4) |
| 暗箭伤人 | (5) |
| 按兵不动 | (6) |
| 按图索骥 | (7) |

汉语拼音排序·B

| | |
|------|--------|
| 八面威风 | (9) |
| 拔山举鼎 | (9) |
| 拔帜易帜 | (10) |
| 白龙鱼服 | (11) |
| 白头如新 | (11) |
| 白云苍狗 | (12) |
| 白云亲舍 | (13) |
| 百发百中 | (13) |
| 百感交集 | (14) |

| | |
|--------|--------|
| 百闻不如一见 | (15) |
| 百尺竿头 | (15) |
| 班荆道故 | (16) |
| 半部论语 | (17) |
| 半途而废 | (18) |
| 包藏祸心 | (19) |
| 抱瓮灌畦 | (19) |
| 抱薪救火 | (20) |
| 暴虎冯河 | (21) |
| 杯弓蛇影 | (21) |
| 背城借一 | (22) |
| 比肩接踵 | (23) |
| 髀肉复生 | (23) |
| 筚路蓝缕 | (24) |
| 鞭长莫及 | (25) |
| 别无长物 | (26) |
| 兵不厌诈 | (26) |
| 兵贵神速 | (27) |
| 冰山难靠 | (28) |
| 宾至如归 | (28) |
| 病入膏肓 | (29) |
| 伯仁由我 | (30) |
| 捕风捉影 | (30) |
| 补天浴日 | (31) |
| 卜昼卜夜 | (32) |
| 不辨菽麦 | (33) |
| 不逞之徒 | (33) |
| 不耻下问 | (34) |
| 不寒而栗 | (34) |

| | |
|-----------|--------|
| 不合时宜 | (35) |
| 不觉技痒 | (36) |
| 不堪回首 | (37) |
| 不可多得 | (38) |
| 不可同日而语 | (39) |
| 不名一钱 | (40) |
| 不入虎穴 焉得虎子 | (42) |
| 不贪为宝 | (42) |
| 不学无术 | (43) |
| 不越雷池一步 | (44) |
| 不遗余力 | (45) |
| 不翼而飞 | (46) |
| 不因人热 | (46) |
| 不足回旋 | (47) |
| 不自量力 | (47) |

汉语拼音排序·C

| | |
|------|--------|
| 才占八斗 | (49) |
| 沧海桑田 | (50) |
| 操刀伤锦 | (51) |
| 草船借箭 | (51) |
| 草木皆兵 | (52) |
| 差强人意 | (53) |
| 豺狼当道 | (54) |
| 超群绝伦 | (55) |
| 长驱直入 | (55) |
| 巢毁卵破 | (56) |
| 车水马龙 | (57) |
| 车载斗量 | (57) |

| | |
|-----------|--------|
| 瞋目裂眦 | (58) |
| 乘风破浪 | (59) |
| 惩前毖后 | (60) |
| 成也萧何 败也萧何 | (61) |
| 城狐社鼠 | (62) |
| 城门失火 殃及池鱼 | (63) |
| 城下之盟 | (64) |
| 程门立雪 | (64) |
| 乘兴而来 | (65) |
| 乘人之危 | (66) |
| 惩一警百 | (67) |
| 痴人说梦 | (68) |
| 尺短寸长 | (68) |
| 赤膊上阵 | (69) |
| 重足侧目 | (70) |
| 重作冯妇 | (71) |
| 宠辱不惊 | (71) |
| 出尔反尔 | (72) |
| 出奇制胜 | (73) |
| 出人头地 | (74) |
| 出言不逊 | (74) |
| 楚弓楚得 | (75) |
| 楚囚相对 | (76) |
| 穿杨贯虱 | (77) |
| 摧枯拉朽 | (77) |
| 唇亡齿寒 | (79) |
| 从善如登 从恶如崩 | (80) |
| 从善如流 | (80) |

汉语拼音排序·D

| | |
|------|---------|
| 打草惊蛇 | (82) |
| 大材小用 | (82) |
| 大腹便便 | (84) |
| 大公无私 | (85) |
| 大逆不道 | (85) |
| 大义灭亲 | (86) |
| 党同伐异 | (87) |
| 倒持泰阿 | (89) |
| 倒行逆施 | (89) |
| 道听途说 | (90) |
| 德高望重 | (91) |
| 得过且过 | (92) |
| 得陇望蜀 | (93) |
| 得其所哉 | (94) |
| 得心应手 | (94) |
| 得意忘形 | (95) |
| 点石成金 | (96) |
| 叠床架屋 | (96) |
| 喋喋不休 | (97) |
| 东家之丘 | (98) |
| 东山再起 | (98) |
| 东施效颦 | (99) |
| 冬日之日 | (100) |
| 董狐之笔 | (101) |
| 洞见症结 | (101) |
| 独当一面 | (102) |
| 杜口裹足 | (103) |

| | |
|------|-------|
| 短兵相接 | (104) |
| 断章取义 | (105) |
| 对牛弹琴 | (105) |
| 多多益善 | (106) |
| 多难兴邦 | (107) |
| 咄咄怪事 | (107) |

汉语拼音排序·E

| | |
|-------|-------|
| 恶贯满盈 | (109) |
| 二桃杀三士 | (109) |

汉语拼音排序·F

| | |
|-----------|-------|
| 发愤图强 | (111) |
| 发奸擿伏 | (111) |
| 发蒙振落 | (113) |
| 墦间乞余 | (113) |
| 返老还童 | (114) |
| 翻然改图 | (115) |
| 方寸之地 | (115) |
| 防民之口 甚于防川 | (116) |
| 房谋杜断 | (116) |
| 非驴非马 | (117) |
| 飞黄腾达 | (117) |
| 飞将数奇 | (118) |
| 分道扬镳 | (119) |
| 风马牛不相及 | (120) |
| 分庭抗礼 | (121) |
| 奋不顾身 | (122) |
| 凤毛麟角 | (123) |

| | |
|------|-------|
| 负重致远 | (123) |
| 负荆请罪 | (124) |
| 赴汤蹈火 | (125) |
| 覆水难收 | (126) |

汉语拼音排序·G

| | |
|--------|-------|
| 改过自新 | (128) |
| 干卿何事 | (129) |
| 甘棠遗爱 | (130) |
| 感激涕零 | (131) |
| 刚愎自用 | (132) |
| 高朋满座 | (133) |
| 高屋建瓴 | (134) |
| 高阳酒徒 | (135) |
| 高枕无忧 | (135) |
| 割鸡焉用牛刀 | (136) |
| 割席分坐 | (137) |
| 各得其所 | (137) |
| 各自为政 | (138) |
| 耕前锄后 | (139) |
| 绠短汲深 | (139) |
| 功败垂成 | (140) |
| 篝火狐鸣 | (141) |
| 狗尾续貂 | (142) |
| 苟延残喘 | (142) |
| 诟如不闻 | (143) |
| 孤注一掷 | (144) |
| 姑妄言之 | (145) |
| 鼓盆之戚 | (145) |

| | |
|--------|-------|
| 顾曲周郎 | (146) |
| 瓜田李下 | (146) |
| 挂羊头卖狗肉 | (146) |
| 管鲍之交 | (147) |
| 管窥锥指 | (148) |
| 管中窥豹 | (149) |
| 归马放牛 | (149) |
| 鬼斧神工 | (150) |
| 贵人多忘 | (151) |
| 国人皆曰可杀 | (152) |
| 过门不入 | (152) |

汉语拼音排序·H

| | |
|------|-------|
| 海不扬波 | (154) |
| 骇人听闻 | (154) |
| 邯郸学步 | (155) |
| 汗流浃背 | (155) |
| 汗马功劳 | (156) |
| 沆瀣一气 | (157) |
| 好好先生 | (158) |
| 好谋善断 | (159) |
| 河东狮吼 | (160) |
| 河鱼腹疾 | (161) |
| 合浦珠还 | (161) |
| 何足挂齿 | (162) |
| 涸辙之鲋 | (162) |
| 鹤立鸡群 | (163) |
| 哄堂大笑 | (164) |
| 鸿沟为界 | (165) |

| | |
|-------|-------|
| 鸿鹄之志 | (165) |
| 侯门如海 | (166) |
| 后顾之忧 | (167) |
| 后来居上 | (167) |
| 壶中天地 | (168) |
| 狐假虎威 | (168) |
| 囫囵吞枣 | (169) |
| 猢狲入布袋 | (169) |
| 虎口余生 | (170) |
| 虎狼之国 | (170) |
| 户限为穿 | (171) |
| 怙恶不悛 | (172) |
| 华而不实 | (172) |
| 画虎类狗 | (173) |
| 画龙点睛 | (173) |
| 画蛇添足 | (174) |
| 怀刺不适 | (175) |
| 黄绢幼妇 | (175) |
| 挥汗成雨 | (176) |
| 喙长三尺 | (176) |
| 悔之无及 | (177) |
| 讳莫如深 | (178) |
| 祸起萧墙 | (178) |

汉语拼音排序·J

| | |
|------|-------|
| 机不可失 | (180) |
| 积不相能 | (180) |
| 鸡虫得失 | (182) |
| 鸡口牛后 | (182) |

| | |
|-----------|-------|
| 鸡鸣狗盗 | (183) |
| 鸡犬升天 | (184) |
| 集思广益 | (185) |
| 骥服盐车 | (185) |
| 激浊扬清 | (186) |
| 疾风劲草 | (187) |
| 及瓜而代 | (187) |
| 己饥己溺 | (188) |
| 季孟之间 | (189) |
| 寄人篱下 | (190) |
| 家鸡野雉 | (191) |
| 家徒四壁 | (191) |
| 家有敝帚 享之千金 | (192) |
| 家喻户晓 | (194) |
| 价值连城 | (194) |
| 嫁祸于人 | (195) |
| 坚壁清野 | (196) |
| 兼听则明 偏信则暗 | (197) |
| 渐入佳境 | (197) |
| 见不速闻 | (198) |
| 见怪不怪 | (198) |
| 见利忘义 | (199) |
| 见猎心喜 | (200) |
| 见卵求鸡 | (201) |
| 间不容发 | (201) |
| 箭在弦上 | (202) |
| 江郎才尽 | (203) |
| 将勤补拙 | (203) |
| 将欲取之 必先与之 | (204) |

| | |
|-----------|-------|
| 骄兵必败 | (205) |
| 蕉鹿自欺 | (206) |
| 胶柱鼓瑟 | (206) |
| 脚踏实地 | (207) |
| 揭竿而起 | (207) |
| 嗟来之食 | (208) |
| 接淅而行 | (209) |
| 结草衔环 | (209) |
| 桀犬吠尧 | (210) |
| 竭泽而渔 | (211) |
| 捷足先登 | (212) |
| 解铃还须系铃人 | (213) |
| 解弦更张 | (213) |
| 解衣推食 | (214) |
| 金玉其外 败絮其中 | (215) |
| 噤若寒蝉 | (216) |
| 金城汤池 | (216) |
| 金石为开 | (218) |
| 精疲力尽 | (218) |
| 锦囊佳句 | (219) |
| 近水楼台 | (220) |
| 近悦远来 | (220) |
| 尽善尽美 | (221) |
| 精卫填海 | (221) |
| 井底之蛙 | (222) |
| 酒池肉林 | (223) |
| 九牛一毛 | (223) |
| 居安思危 | (224) |
| 鞠躬尽瘁 | (225) |

| | |
|------|-------|
| 举案齐眉 | (226) |
| 举一反三 | (226) |
| 卷土重来 | (227) |
| 举棋不定 | (228) |
| 举足轻重 | (229) |

汉语拼音排序·K

| | |
|-------|-------|
| 开卷有益 | (231) |
| 开门揖盗 | (231) |
| 开天辟地 | (232) |
| 开源节流 | (233) |
| 刻画无盐 | (234) |
| 刻舟求剑 | (234) |
| 克己奉公 | (235) |
| 克勤克俭 | (235) |
| 空洞无物 | (236) |
| 空前绝后 | (237) |
| 口蜜腹剑 | (238) |
| 口若悬河 | (238) |
| 扣盘扪烛 | (239) |
| 枯木朽株 | (239) |
| 快刀斩乱麻 | (240) |
| 脍炙人口 | (241) |
| 宽猛相济 | (241) |
| 旷日持久 | (242) |
| 困兽犹斗 | (242) |

汉语拼音排序·L

| | |
|------|-------|
| 蓝田生玉 | (244) |
|------|-------|